

## दैनिक समसामयिकी विश्लेषण

समय: 45 मिनट

दिनांक: 2-06-2025

### विषय सूची

- » पंडित दीन दयाल उपाध्याय का दर्शन 'एकात्म मानववाद'
- » व्यक्तित्व और प्रचार अधिकारों की सुरक्षा
- » नक्शा(NAKSHA) पहल
- » ड्रोन युद्ध: यूक्रेन का रूस पर ड्रोन हमला
- » फार्मा कंपनियों की फ्रीबीज़ जाँच के दायरे में
- » भारत की आभासी डिजिटल परिसंपत्तियों के विनियमन में क्रांति

### संक्षिप्त समाचार

- » पश्चिमी घाट
- » पूर्वोत्तर भारत में भारी वर्षा
- » अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता संगठन(IOMed)
- » एशियाई विकास बैंक (ADB)
- » SHOX जीन
- » अंडमान एवं निकोबार कमान
- » यूनावफोर
- » फाइबर ऑप्टिक ड्रोन

## पंडित दीन दयाल उपाध्याय का दर्शन 'एकात्म मानववाद'

### संदर्भ

- 2025 पंडित दीनदयाल उपाध्याय के 'एकात्म मानवदर्शन' दर्शन के 60वें वर्ष का प्रतीक है।

### परिचय

- औपनिवेशिक युग के बाद शासन की एक स्वदेशी विचारधारा की खोज में, पंडित दीनदयाल उपाध्याय (1916–1968) ने 1965 में एकात्म मानवदर्शन का सिद्धांत प्रस्तुत किया।
- यह विचारधारा भौतिक उन्नति के साथ आध्यात्मिक उन्नयन को संतुलित करने और भारतीय सभ्यता के दृष्टिकोण से विकास को फिर से परिभाषित करने का उद्देश्य रखती है।

### एकात्म मानवदर्शन क्या है?

- यह मनुष्य के संतुलित और समग्र विकास पर बल देता है, जिसमें न केवल भौतिक कल्याण बल्कि मानसिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक पहलू भी शामिल हैं।
- उपाध्याय का मानना था कि पश्चिमी विचारधाराएँ केवल भौतिक इच्छाओं (कर्म) और संपत्ति (अर्थ) पर ध्यान केंद्रित करती हैं, जबकि नैतिक कर्तव्यों (धर्म) और आध्यात्मिक मोक्ष (मोक्ष) को नज़रअंदाज़ करती हैं, जो सच्ची मानव प्रसन्नता और संतोष के लिए आवश्यक हैं।
- उन्होंने पूँजीवाद की अनियंत्रित व्यक्तिवादिता और शोषण की संभावना की आलोचना की, साथ ही मार्क्सवादी समाजवाद की व्यक्तिगत स्वतंत्रता के दमन और विशुद्ध रूप से भौतिकवादी दृष्टिकोण की भी।
- इस दर्शन में मानव को सभी विकास मॉडल के केंद्र में रखा गया है।
- नीति और शासन को प्रत्येक व्यक्ति के कल्याण और गरिमा की सेवा करने के लिए डिज़ाइन किया जाना चाहिए, जिससे सभी को गरिमामय जीवन मिले।

### एकात्म मानवदर्शन के प्रमुख तत्व:

- **चिति:** सभ्यता का आंतरिक सार या राष्ट्रीय आत्मा – इसकी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान और चेतना।

- **विराट:** सामाजिक संस्थानों और सामूहिक जीवन में राष्ट्रीय संस्कृति की जीवंत अभिव्यक्ति।
- **धर्म:** व्यक्तिगत और सामूहिक नैतिकता का मार्गदर्शक सिद्धांत, जो समाज को बनाए रखने वाले अंतर्निहित कानूनों, कर्तव्यों और नैतिक आचरण का प्रतिनिधित्व करता है।

### समकालीन प्रासंगिकता

- **भागीदारीपूर्ण शासन:** एकात्म मानवदर्शन सुव्यवस्थित, विकेंद्रीकृत और मूल्य-आधारित शासन का आह्वान करता है, जो स्थानीय परंपराओं और रीति-रिवाजों में निहित है।
- **आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था (स्वदेशी):** विकेंद्रीकृत विकास, ग्राम-केंद्रित मॉडल और सतत् आजीविका पर जोर देता है, जो गांधीवादी ग्राम स्वराज विचारों के अनुरूप है।
- **अंत्योदय और नीति निर्माण:** 'अंत्योदय के माध्यम से सर्वोदय' के सिद्धांत को बढ़ावा देता है – कतार में अंतिम व्यक्ति का उत्थान। कल्याण केवल राज्य नीति नहीं बल्कि एक नैतिक अनिवार्यता होनी चाहिए।
- **सतत् विकास और पर्यावरण न्याय:** गहन पारिस्थितिक सम्मान का समर्थन करता है — श्रम, संसाधनों और पूँजी का संतुलित उपयोग — भविष्य की पीढ़ियों के लिए गरिमा और स्थिरता सुनिश्चित करता है।
- **सांस्कृतिक संरक्षण:** भारत की विरासत, भाषा, कला और सभ्यतागत ज्ञान को पुनर्जीवित करने का आह्वान करता है, केवल अतीत की स्मृति के रूप में नहीं, बल्कि भविष्य के नवाचार के लिए मार्गदर्शक के रूप में।
- **वैश्विक प्रासंगिकता:** शोषणकारी पूँजीवाद और कठोर साम्यवाद का एक विकल्प प्रस्तुत करता है। वैश्विक दक्षिण विकास प्रतिमानों और भूटान के 'सकल राष्ट्रीय प्रसन्नता' में प्रतिध्वनित होता है।
- **नैतिक मूल्य:** संघर्ष या प्रतिस्पर्धा के बजाय करुणा, संयम और सद्भाव को बढ़ावा देता है।
- **भारतीय मूल्य प्रणाली का प्रतिबिंब:** वसुधैव कुटुम्बकम्, सर्वोदय, अहिंसा।

Source: PIB

## व्यक्तित्व और प्रचार अधिकारों की सुरक्षा

### संदर्भ

- हाल ही में, दिल्ली उच्च न्यायालय ने ईशा फाउंडेशन के संस्थापक की व्यक्तित्व और प्रचार अधिकारों की रक्षा करने वाला एक निर्णय दिया है।
  - यह एआई-जनित डीपफेक और सार्वजनिक हस्तियों की पहचान के अनधिकृत उपयोग को लेकर बढ़ती चिंताओं को उजागर करता है।

### व्यक्तित्व और प्रचार अधिकारों के बारे में

- व्यक्तित्व अधिकार किसी व्यक्ति की पहचान के व्यावसायिक उपयोग को नियंत्रित करने की उसकी क्षमता को संदर्भित करता है। ये अधिकार आमतौर पर दो श्रेणियों में विभाजित होते हैं:
  - गोपनीयता का अधिकार:** भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत मान्यता प्राप्त।
    - यह न्यायमूर्ति के.एस. पुट्टास्वामी बनाम भारत संघ (2017) मामले में सुदृढ़ किया गया, जिसने गोपनीयता को मौलिक अधिकार का दर्जा दिया।
  - प्रचार का अधिकार:** किसी व्यक्ति की पहचान के अनधिकृत व्यावसायिक उपयोग को रोकता है।
    - व्यक्तित्व अधिकारों के तत्व: नाम, छवि, समानता, आवाज, हस्ताक्षर आदि।

### व्यक्तित्व अधिकारों में चिंताएँ

- समग्र कानूनी ढाँचे की कमी:** भारत में व्यक्तित्व अधिकारों को नियंत्रित करने वाला कोई विशेष कानून नहीं है, बल्कि यह कॉपीराइट, ट्रेडमार्क और गोपनीयता कानूनों पर निर्भर करता है।
  - स्पष्ट संवैधानिक सुरक्षा के अभाव में प्रवर्तन कठिन हो जाता है।
- एआई-जनित डीपफेक और डिजिटल हेरफेर:** एआई के बढ़ते उपयोग से डीपफेक वीडियो और आवाज क्लोन बनाए जा रहे हैं, जिससे किसी व्यक्ति की पहचान का अनधिकृत उपयोग संभव हो रहा है।

- अनुमति के बिना व्यावसायिक शोषण:** सेलिब्रिटी और प्रभावशाली व्यक्तियों को अक्सर अपने समानता वाले विज्ञापनों में उपयोग किया गया पाते हैं, बिना अनुमति के।
  - प्रचार अधिकार इस तरह के दुरुपयोग को रोकने के लिए है, लेकिन उसका प्रवर्तन असंगत है।

### प्रवर्तन में चुनौतियाँ

- अधिकार क्षेत्र संबंधी समस्याएँ:** ऑनलाइन उल्लंघन प्रायः अंतरराष्ट्रीय प्लेटफार्मों से जुड़े होते हैं, जिससे कानूनी कार्रवाई जटिल हो जाती है।
- मुक्त भाषण और संरक्षण का संतुलन:** अदालतों को व्यक्तित्व अधिकारों के साथ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को संतुलित करना पड़ता है, खासकर व्यंग्य और पैरोडी मामलों में।
- अनियमित वेबसाइटें और सोशल मीडिया उल्लंघन:** व्यक्तित्व अधिकारों का दुरुपयोग करने वाली वेबसाइटें विभिन्न नामों से फिर से प्रकट हो सकती हैं, जिससे प्रवर्तन कठिन हो जाता है।

### कानूनी एवं संवैधानिक प्रावधान

- कॉपीराइट अधिनियम, 1957:** यह प्रदर्शनकारियों को उनके कार्य पर अधिकार प्रदान करता है, जिससे उनकी छवि और आवाज को बिना अनुमति के उपयोग से बचाया जाता है।
- ट्रेड मार्क अधिनियम, 1999:** यह व्यक्तियों को उनके नाम या समानता को ट्रेडमार्क करने की अनुमति देता है, जिससे अनधिकृत व्यावसायिक उपयोग रोका जा सकता है।
- पासिंग ऑफ का टॉर्ट:** यह किसी व्यक्ति की पहचान के भ्रामक व्यावसायिक उपयोग को रोकता है, जिससे उनकी प्रतिष्ठा का शोषण न हो।
- परामर्श, दिशानिर्देश, और आईटी नियम:** हालाँकि भारत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के लिए विशेष कानून नहीं है, IT नियम AI, जनरेटिव AI, और बड़े भाषा मॉडल (LLMs) की उन्नति को नियंत्रित करते हैं।



### न्यायिक मिसालें

- **जैकी श्राफ मामला (2024):** दिल्ली उच्च न्यायालय ने एआई चैटबॉट्स और ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों द्वारा उनके व्यक्तित्व के अनधिकृत उपयोग को रोक दिया।
- **कृष्ण किशोर सिंह बनाम सरला ए. सराओगी (2021):** सर्वोच्च न्यायालय ने निर्णय दिया कि प्रचार अधिकार गोपनीयता अधिकारों से अलग होते हैं और व्यक्ति के निधन के बाद भी जारी रह सकते हैं।
- **अरुण जेटली बनाम नेटवर्क सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड (2011):** दिल्ली उच्च न्यायालय ने डिजिटल क्षेत्र में किसी के नाम के व्यावसायिक महत्त्व को स्वीकार किया।

### वैश्विक दृष्टिकोण

- **विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (WIPO)** व्यक्तित्व अधिकारों को बौद्धिक संपदा कानून का एक आवश्यक हिस्सा मानता है।
- **संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय देशों सहित कई देशों में प्रचार अधिकारों को नियंत्रित करने वाले विशेष कानून हैं,** जो सुनिश्चित करते हैं कि व्यक्ति अपनी पहचान के व्यावसायिक उपयोग को नियंत्रित कर सकें।
  - ▲ **समानता, आवाज़ और छवि सुरक्षा सुनिश्चित करने वाला अधिनियम (ELVIS Act), 2024** टेनेसी राज्य, USA में पारित किया गया, जिससे संगीतकारों को उनकी आवाज़ के अनधिकृत उपयोग, अर्थात् 'साउंडअलाइक' से बचाया गया।

Source: TH

### नक्शा(NAKSHA) पहल

#### संदर्भ

- ग्रामीण विकास मंत्रालय ने NAKSHA (शहरी बस्तियों का राष्ट्रीय भू-स्थानिक ज्ञान-आधारित भूमि सर्वेक्षण) कार्यक्रम के दूसरे चरण की शुरुआत की है। NAKSHA को डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (DILRMP) के अंतर्गत लागू किया गया है।

### NAKSHA

- **पहला चरण: पायलट कार्यान्वयन और सर्वेक्षण संचालन**
  - ▲ **परिचय:** इसे 2024-25 के बजट में भूमि रिकॉर्ड को मानकीकृत करने, प्रक्रियाओं को सरल बनाने और भूमि लेन-देन में पारदर्शिता लाने के लिए घोषित किया गया था।
  - ▲ **कवरेज:** इसे 26 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में 152 शहरी स्थानीय निकायों (ULBs) में शुरू किया गया है।
    - इसमें 35 वर्ग किमी से कम क्षेत्र और 2 लाख से कम जनसंख्या वाले शहरों को लक्षित किया गया है।
    - आगामी 5 वर्षों में पूरे शहरी क्षेत्र को कवर करने का लक्ष्य है।
  - ▲ **तकनीकी एकीकरण:** उच्च-सटीकता मानचित्रण के लिए हवाई सर्वेक्षण, ड्रोन तकनीक और वेब-GIS प्लेटफॉर्म का उपयोग किया गया।
- **दूसरा चरण: क्षमता निर्माण और कौशल वृद्धि**
- इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत 157 शहरी स्थानीय निकायों (ULBs) से 304 जिला और ULB-स्तरीय अधिकारियों को नामित किया गया है।
- ये अधिकारी आधुनिक भू-स्थानिक तकनीकों का उपयोग करके प्रभावी शहरी संपत्ति सर्वेक्षण करने के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।
- प्रशिक्षण का उद्देश्य ULB अधिकारियों और क्षेत्रीय कर्मचारियों को तकनीकी और व्यावहारिक कौशल से लैस करना है ताकि वे NAKSHA कार्यक्रम के अंतर्गत उच्च-सटीकता वाले भूमि सर्वेक्षणों की निगरानी कर सकें।

### भारत को भूमि प्रबंधन के लिए NAKSHA जैसे कार्यक्रम की आवश्यकता क्यों है?

- **टुकड़ों में बंटा भूमि रिकॉर्ड प्रणाली:** भारत में भूमि रिकॉर्ड रखने की प्रणाली राज्य-विशिष्ट और असंगत है।

- ▲ प्रायः पुराने मैनुअल रिकॉर्ड उपयोग किए जाते हैं, जिससे स्वामित्व विवाद, खरीदारों, निवेशकों और संस्थानों के लिए कानूनी अनिश्चितता उत्पन्न होती है।
- **भूमि विवाद और मुकदमेबाजी:** भारतीय न्यायलयों में 66% से अधिक दीवानी मामले भूमि/संपत्ति से जुड़े होते हैं।
  - ▲ डिजिटाइज्ड, छेड़छाड़-रहित भूमि मानचित्रों की कमी एक प्रमुख कारण है।
- **नगरीकरण और बुनियादी ढाँचे को बढ़ावा:** 2023-24 की आर्थिक समीक्षा के अनुसार, 2030 तक भारत की लगभग 40% जनसंख्या शहरी क्षेत्रों में रहने की संभावना है।
  - ▲ शहरों के नियोजित विकास के लिए भूमि और संपत्ति रिकॉर्ड प्रणाली का सुव्यवस्थित होना आवश्यक है।
- **कृषि सुधार को बढ़ावा:** डिजिटाइज्ड खतौनी नक्शे भूमि रिकॉर्ड से जुड़े होने पर:
  - ▲ सरल ऋण पहुँच, फसल बीमा योजनाओं, पीएम-किसान और अन्य DBT पहलों का समर्थन कर सकते हैं।
- **आपदा जोखिम और जलवायु लचीलेपन:**
  - ▲ एक भू-टैग की गई मानचित्रण प्रणाली जलवायु प्रतिरोधक योजना में सहायता करती है।

Source: TH

## ड्रोन युद्ध: यूक्रेन का रूस पर ड्रोन हमला

### संदर्भ

- 'ऑपरेशन स्पाइडर वेब' के तहत, यूक्रेन ने रूस के पांच एयरबेस पर फ़र्स्ट-पर्सन व्यू (FPV) ड्रोन हमले किए।

### फ़र्स्ट-पर्सन व्यू ड्रोन

- FPV या फ़र्स्ट-पर्सन व्यू ड्रोन आकार में छोटे होते हैं और इनमें आगे की तरफ़ कैमरा लगा होता है, जो ऑपरेटर को लाइव वीडियो भेजता है।
- इससे ऑपरेटर दूरस्थ स्थान से सटीक उड़ान और संचालन कर सकता है, ठीक एक विमान की तरह।

- इन ड्रोन ने रूसी मोबाइल-टेलीफोन नेटवर्क का उपयोग करके अपना फ़ुटेज यूक्रेन को वापस भेजा।

### हाल ही में ड्रोन का उपयोग

- 21वीं सदी के शुरुआती वर्षों में, अधिकांश ड्रोन हमले अमेरिकी सेना द्वारा अफ़ग़ानिस्तान, पाकिस्तान, सीरिया, सोमालिया, यमन और लीबिया जैसे देशों में किए गए।
  - ▲ ये हमले सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों का उपयोग करके ज़मीनी लक्ष्यों पर किए गए।
- ड्रोन युद्ध को अब रूस, यूक्रेन, तुर्की, अज़रबैजान और ईरान जैसे देशों ने अपनाया है, साथ ही हथूरी जैसी गैर-राज्य इकाइयों द्वारा भी उपयोग किया जाता है।
- भारत ने भी हालिया अभियानों में ड्रोन का उपयोग किया है, जिसमें **ऑपरेशन सिंदूर** और पाकिस्तान के खिलाफ़ जवाबी हमले शामिल हैं।

### ड्रोन युद्ध क्या है?

- ड्रोन युद्ध एक ऐसी युद्ध पद्धति को संदर्भित करता है जो बिना चालक वाले या दूरस्थ रूप से नियंत्रित उपकरणों का उपयोग करती है।
- ऐसे ड्रोन हवा में, ज़मीन पर, समुद्र के स्तर पर या पानी के नीचे भी सक्रिय रह सकते हैं।
- कुछ ड्रोन को **मैनुअल नियंत्रण** द्वारा संचालित किया जा सकता है, जबकि अन्य अपने मिशन में **ऑटो-पायलट सिस्टम** का उपयोग करते हैं।

### रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ़्ट सिस्टम

- यह ड्रोन और उसकी ग्राउंड-आधारित नियंत्रण प्रणाली सहित घटकों के सेट को संदर्भित करता है।
- अमेरिका, ब्रिटेन, इज़राइल, चीन, भारत, रूस और तुर्की ने युद्धक ड्रोन या UCAVs (मानवरहित लड़ाकू हवाई वाहन) का उत्पादन किया है।
- ये ड्रोन लक्षित हमलों के लिए उपयोग किए जाते हैं, विशेष रूप से उन स्थानों पर जहाँ पारंपरिक बलों की पहुँच कठिन है।

### एआई और ड्रोन

- ड्रोन उपयोग का दूसरा चरण **कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)** है।

- AI ड्रोन स्वयं नेविगेट कर सकते हैं, लक्ष्यों की पहचान कर सकते हैं, और यहाँ तक कि 'स्वार्म' ग्रुप्स में भी संचालित हो सकते हैं।

### यूएवी का विकास

- 1960 के दशक में, ब्रिटिश कॉमनवेल्थ तोपखाना रेजीमेंट्स ने लक्ष्य पहचान और उनकी सीमा बढ़ाने के लिए ड्रोन विकसित करना शुरू किया।
- पिछले दो दशकों में, अमेरिका ने इराक, सीरिया, अफ़ग़ानिस्तान और यमन में आतंकवाद विरोधी कार्रवाई में ड्रोन का उपयोग करके वैश्विक रुझान स्थापित किया।
- यूक्रेन युद्ध में ड्रोन युद्ध ने एक महत्वपूर्ण मोड़ लिया।
- रूसी और यूक्रेनी सेनाओं ने दोनों ने वास्तविक समय की खुफ़िया जानकारी और प्रत्यक्ष हमलों के लिए छोटे ड्रोन का व्यापक पैमाने पर उपयोग किया।
- 2023 तक, छोटे ड्रोन इन्फ़ारेड डिटेक्टर से लेकर इलेक्ट्रॉनिक युद्ध उपकरण तक कई प्रकार के पेलोड ले जाने में सक्षम हो गए।

### युद्ध में ड्रोन के उपयोग का महत्व

- लक्षित हमले: ड्रोन सेनाओं को अत्यधिक सटीक हमलों को अंजाम देने की अनुमति देते हैं, जिससे आकस्मिक क्षति कम होती है।
- सैन्य कर्मियों के लिए कम जोखिम: ड्रोन मानव रहित होते हैं, जिससे पायलटों को कोई जोखिम नहीं होता और ग्राउंड सैनिकों की आवश्यकता भी कम होती है।
- लागत प्रभावशीलता: ड्रोन का निर्माण, संचालन और रखरखाव मानव चालित विमानों की तुलना में सस्ता होता है।
- वास्तविक समय की निगरानी और खुफ़िया जानकारी: ड्रोन निरंतर, वास्तविक समय की इमेजरी और खुफ़िया जानकारी प्रदान करते हैं, जो आक्रामक और रक्षात्मक अभियानों के लिए आवश्यक है।

- असामान्य युद्ध में रणनीतिक बढ़त: ड्रोन गैर-राज्य तत्वों और आतंकवादी समूहों के खिलाफ़ विशेष रूप से उपयोगी होते हैं, जिन्हें पारंपरिक सैन्य तरीकों से पहुँचना कठिन हो सकता है।

### आगे की दिशा

- यूक्रेन ने रूस के अंदर गहराई तक पहुँचकर बड़ी संख्या में उसके विमानों को नष्ट करने की क्षमता दिखाई, जिससे गहन हमलों की प्रभावशीलता प्रदर्शित होती है।
- यह ड्रोन युद्ध की संभावनाओं को एक नए स्तर तक ले जाता है।
- तकनीक के आगे बढ़ने के साथ, ड्रोन का उपयोग सैन्य और नागरिक मिशनों में और अधिक बढ़ेगा।
- स्वायत्त और एआई-चालित प्रणालियों का उदय आगे जाकर सैन्य सिद्धांतों में क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकता है।

Source: IE

### फार्मा कंपनियों की फ्रीबीज़ जाँच के दायरे में

#### संदर्भ में

- केंद्र सरकार ने फार्मा कंपनियों से विगत एक वर्ष में विपणन पर किए गए व्यय का विवरण माँगा है।

#### परिचय

- संघ सरकार फार्मास्युटिकल कंपनियों के विपणन अभ्यासों पर कड़ी निगरानी रख रही है, क्योंकि ऐसी रिपोर्टें सामने आई हैं कि ये कंपनियाँ डॉक्टरों को विभिन्न प्रकार की मुफ्त सुविधाएँ देना जारी रखती हैं।
- अनैतिक विपणन प्रथाओं की रोकथाम के लिए यूनिफॉर्म कोड फॉर फार्मास्युटिकल मार्केटिंग प्रैक्टिसेस (UCPMP) लागू किया जा रहा है। फार्मास्युटिकल विभाग (DoP) द्वारा माँगी गई जानकारी 31 जुलाई तक प्रस्तुत करनी होगी, अन्यथा उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

## यूनिफॉर्म कोड फॉर फार्मास्युटिकल मार्केटिंग प्रैक्टिसेस (UCPMP)

- **परिचय:** UCPMP को 2024 में पारदर्शिता लाने और फार्मा कंपनियों के विपणन अभ्यासों में नैतिकता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रस्तुत किया गया था।
- **प्रलोभनों पर प्रतिबंध:** कंपनियों को उपहार, वित्तीय लाभ, या आतिथ्य स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों या उनके परिवारों को देने से प्रतिबंधित किया गया है।
- **यात्रा और आतिथ्य पर रोक:** यदि कोई चिकित्सक कंटीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन (CME) कार्यक्रम में वक्ता है, तभी यात्रा की सुविधा दी जा सकती है।
  - ▲ हालाँकि, ऐसे कार्यक्रम विदेशी स्थलों पर आयोजित नहीं किए जा सकते।
- **जवाबदेही और पारदर्शिता:** फार्मास्युटिकल कंपनियों को स्व-घोषणा करनी होगी कि वे इस संहिता का पालन कर रही हैं और सम्मेलन, संगोष्ठी, कार्यशालाओं से संबंधित व्यय का खुलासा करना होगा।
- **प्रवर्तन तंत्र:**
  - ▲ प्रत्येक संघ में एथिक्स कमेटी फॉर फार्मास्युटिकल मार्केटिंग प्रैक्टिसेस (ECPMP) स्थापित की गई है, जो उल्लंघनों को संबोधित करेगी।
  - ▲ दंड में सार्वजनिक फटकार, प्रदान किए गए लाभों की वसूली, सुधारात्मक वक्तव्य जारी करना, और संभावित कानूनी कार्रवाई शामिल है।

## फ्रीबीज़ क्या हैं?

- फ्रीबीज़ को “डॉक्टरों का कमीशन” भी कहा जाता है, जहां फार्मा कंपनियां चिकित्सा पेशेवरों को नकद या वस्तु के रूप में उपहार देती हैं, ताकि वे उनकी दवा के ब्रांड को लिखें।

## इस संबंध से जुड़ी प्रमुख चिंताएँ

- **हितों का टकराव:** डॉक्टरों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे अपने निर्णय रोगियों के सर्वोत्तम हितों के आधार पर लें, लेकिन वित्तीय या भौतिक लाभ इस निष्पक्षता को प्रभावित कर सकते हैं।

- **रोगी का विश्वास और आत्मविश्वास:** रोगी अपने डॉक्टरों के विशेषज्ञता और निष्पक्ष निर्णय पर निर्भर रहते हैं।
  - ▲ यदि फार्मास्युटिकल कंपनियों द्वारा अनुचित प्रभाव डाला जाता है, तो यह भरोसे को कमजोर कर सकता है।
- **स्वास्थ्य देखभाल लागत पर आर्थिक प्रभाव:**
  - ▲ यदि डॉक्टर फार्मा कंपनियों के दबाव में महंगी दवाएँ लिखते हैं, तो इससे स्वास्थ्य देखभाल लागत बढ़ती है।
- **पेशेवर नैतिकता और अखंडता:**
  - ▲ चिकित्सा पेशेवरों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे नैतिक मानकों का पालन करें जो रोगी की भलाई को प्राथमिकता देते हैं।
  - ▲ फार्मा कंपनियों से उपहार या लाभ स्वीकार करना पेशेवर नैतिकता और अखंडता का उल्लंघन माना जाता है।

## सिफारिशें

- विनोद के. पॉल की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय समिति (2023) ने UCPMP की समीक्षा के बाद फार्मा कंपनियों द्वारा डॉक्टरों को दी जाने वाली फ्रीबीज़ पर कुछ सिफारिशें दी थीं:
  - ▲ डॉक्टरों को दिए जाने वाले ब्रांडेड उपहारों की कीमत ₹1,000 प्रति वस्तु से अधिक नहीं होनी चाहिए।
  - ▲ विदेशी स्थानों पर डॉक्टरों के लिए कंटीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन (CME) कार्यशालाओं पर प्रतिबंध।
  - ▲ फार्मा कंपनियों से अनुसंधान के लिए प्राप्त धन चिकित्सकों के लिए कर योग्य होना चाहिए।
  - ▲ यदि मुफ्त दवा नमूनों का मूल्य प्रति वर्ष ₹20,000 से अधिक है, तो कंपनियों से स्रोत पर टैक्स (TDS) काटा जाना चाहिए।

## निष्कर्ष

- फार्मास्युटिकल कंपनियों और डॉक्टरों के बीच संबंध गंभीर नैतिक चुनौतियां उत्पन्न करता है, जिससे रोगी देखभाल प्रभावित होती है और स्वास्थ्य देखभाल लागत बढ़ती है।

- अधिकांश सिफारिशें UCPMP 2024 में आंशिक रूप से प्रतिबिंबित हैं, और सुधार जारी हैं, हालाँकि विशेषज्ञ और अधिक कानूनी प्रवर्तन और स्वतंत्र निगरानी तंत्र की मांग कर रहे हैं।
- नियमों को मजबूत करना, चिकित्सा-उद्योग संबंधों में पारदर्शिता सुनिश्चित करना, और लाभ के बजाय रोगी के कल्याण को प्राथमिकता देना स्वास्थ्य सेवा की अखंडता को पुनर्स्थापित करने की दिशा में आवश्यक कदम हैं।

Source: LM

## भारत की आभासी डिजिटल परिसंपत्तियों के विनियमन में क्रांति

### समाचार में

- भारत बुनियादी स्तर पर क्रिप्टो अपनाने में अग्रणी है, जहाँ खुदरा निवेशकों द्वारा \$6.6 बिलियन का निवेश किया गया है और 2030 तक 800,000 रोजगारों की संभावना है, लेकिन यह अस्पष्ट और चुनौतीपूर्ण वर्चुअल डिजिटल एसेट्स (VDAs) नियमों का सामना कर रहा है।

### वर्चुअल डिजिटल एसेट्स क्या हैं?

- ये इलेक्ट्रॉनिक रूप से संग्रहीत, हस्तांतरणीय या व्यापार योग्य डिजिटल मूल्य के प्रतिनिधित्व होते हैं। इसमें शामिल हैं:
  - ▲ **क्रिप्टोकॉर्सेसी:** डिजिटल या आभासी मुद्राएँ, जो क्रिप्टोग्राफिक तकनीकों से सुरक्षित होती हैं, जिससे इन्हें नकली बनाना अत्यधिक कठिन होता है।
  - ▲ **NFTs (नॉन-फंजिबल टोकन):** अद्वितीय डिजिटल संपत्तियाँ, जो ब्लॉकचेन पर रिकॉर्ड की जाती हैं और जिन्हें धन, क्रिप्टोकॉर्सेसी या अन्य NFTs के लिए व्यापार किया जा सकता है।
- VDAs का उपयोग भुगतान, निवेश या वास्तविक दुनिया की संपत्तियों जैसे कि कला, अचल संपत्ति, व्यक्तिगत पहचान या संपत्ति अधिकारों के प्रतिनिधित्व के रूप में किया जा सकता है।

### कानूनी ढांचा

- भारत के आयकर विधेयक, 2025 ने प्रथम बार वर्चुअल डिजिटल एसेट्स (VDAs) को संपत्ति और पूँजीगत परिसंपत्तियों के रूप में वर्गीकृत करने के लिए एक स्पष्ट कानूनी ढांचा प्रस्तुत किया।
- यह भारत को यू.के., यू.एस. और ऑस्ट्रेलिया जैसे वैश्विक मानकों के अनुरूप लाता है।
- इस विधेयक के अंतर्गत VDAs की बिक्री या हस्तांतरण से होने वाले लाभ को पूँजीगत लाभ प्रावधानों के अंतर्गत कर योग्य बनाया गया है, ठीक रियल एस्टेट और शेयरों की तरह।
- इससे VDAs का पारदर्शी तरीके से कराधान सुनिश्चित होगा और अनियमित वित्तीय उपकरणों के रूप में इनकी संभावित गड़बड़ी को रोका जा सकेगा।
- मार्च 2023 में सरकार ने VDAs को 'मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम, 2002 (PMLA)' के दायरे में शामिल किया, जिससे इन संपत्तियों से जुड़े लेन-देन इस कानून के अंतर्गत आए।

### क्या आप जानते हैं?

- IMF और FATF जैसी वैश्विक संस्थाएँ अनुरूप घरेलू मध्यस्थों पर आधारित जोखिम-आधारित, समन्वित विनियमन की सिफारिश करती हैं, जिन्हें वर्चुअल एसेट सर्विस प्रोवाइडर्स (VASPs) कहा जाता है।
- ये VASPs क्रिप्टो उद्योग को कानूनों के साथ संरेखित करने, निगरानी में सुधार करने और नियामक अंतर्दृष्टि प्रदान करने में मदद करते हैं।
- भारतीय VASPs तेजी से विकसित हो रहे हैं और धन शोधन विरोधी और आतंकवाद विरोधी प्रयासों को मजबूत करने के लिए प्राधिकरणों के साथ सहयोग कर रहे हैं।
- 2024 में एक बड़े \$230 मिलियन हैक के बाद, भारतीय एक्सचेंजों ने साइबर सुरक्षा बढ़ाई, बीमा कोष बनाए, और उपयोगकर्ताओं और संपत्तियों की सुरक्षा के लिए उद्योग-व्यापी दिशानिर्देश स्थापित किए।



### चुनौतियाँ

- भारत के सख्त पूँजी नियंत्रण और विनियमित भुगतान प्रणालियाँ वर्चुअल डिजिटल एसेट्स (VDAs) के विकेंद्रीकृत स्वभाव से टकराती हैं।
- भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने 2018 में वित्तीय संस्थानों को क्रिप्टो से लेन-देन करने से रोक दिया था, जिसे 2020 में न्यायालयों द्वारा परिवर्तित किया गया।
- सरकार ने 2022 में कराधान उपाय प्रस्तुत किए, जिसमें
  - ▲ ₹10,000 से अधिक VDA लेन-देन पर 1% TDS, और
  - ▲ 30% पूँजीगत लाभ कर (बिना हानि समायोजन के) शामिल थे।
- इन प्रयासों के बावजूद, अधिकांश ट्रेडिंग विदेश चली गई, जिससे ₹2,488 करोड़ से अधिक के महत्वपूर्ण कर राजस्व घाटे और गैर-अनुपालक प्लेटफार्मों पर उच्च व्यापार मात्रा हुई।
- इन प्लेटफार्मों को ब्लॉक करने के प्रयास अधिकांशतः अप्रभावी रहे हैं, क्योंकि उपयोगकर्ता VPNs और वैकल्पिक एक्सेस विधियों का उपयोग करके प्रतिबंधों को दरकिनार कर लेते हैं।

### सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणियाँ

- मई 2025 में, सर्वोच्च न्यायालय ने व्यापक क्रिप्टो विनियमन की कमी को उजागर किया, यह सिर्फ क्रिप्टो पर प्रतिबंध लगाने की बजाय बाज़ार की वास्तविकता को समझने की आवश्यकता पर जोर देता है।
- इससे नीतियों और जीवंत क्रिप्टो पारिस्थितिकी तंत्र के बीच का अंतर स्पष्ट होता है।

### सुझाव और आगे की राह

- भारत वर्चुअल डिजिटल एसेट्स (VDAs), जिसमें क्रिप्टोकॉर्सेसी और NFTs शामिल हैं, के अपनाने में वैश्विक नेता के रूप में तेजी से उभर रहा है।

- VDAs की पूरी क्षमता का लाभ उठाने के लिए, भारत को एक संतुलित और भविष्य-दृष्टि वाले नियामक ढाँचे की आवश्यकता है।
  - ▲ ऐसा ढाँचा नवाचार का समर्थन करेगा, निवेशकों की रक्षा करेगा, और कर अनुपालन सुनिश्चित करेगा, जिससे अंततः भारत डिजिटल एसेट क्रांति में अग्रणी बन सके।

Source :TH

## संक्षिप्त समाचार

### पश्चिमी घाट

#### समाचार में

- कर्नाटक के वन, पारिस्थितिकी और पर्यावरण मंत्री ने दक्षिण कन्नड़, कोडगू और अन्य क्षेत्रों में पूर्व-मॉनसून वर्षा के दौरान हुए भूस्खलनों के मद्देनजर पश्चिमी घाट की धारण क्षमता पर अध्ययन करने का आदेश दिया है।

#### धारण क्षमता क्या है?

- धारण क्षमता किसी पर्यावरण द्वारा किसी प्रजाति के अधिकतम जनसंख्या आकार को दीर्घकालिक रूप से इस प्रकार बनाए रखने की क्षमता को संदर्भित करता है कि पर्यावरण का क्षय न हो।

### पश्चिमी घाट

- ये हिमालय से भी प्राचीन हैं और वैश्विक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण पर्वत शृंखला हैं।
- ये भारतीय उपमहाद्वीप पर अद्वितीय भौमिक, पारिस्थितिक, और जलवायु प्रभाव डालते हैं।
- ये मानसून मौसम पैटर्न को प्रभावित करते हैं और उष्णकटिबंधीय जलवायु को नियंत्रित करते हैं।
- ये विश्व के आठ 'सबसे गर्म जैव विविधता हॉटस्पॉट्स' में से एक के रूप में पहचाने जाते हैं।
- ये गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल राज्यों से गुजरते हैं।

- ये अरब सागर की ओर झुकी भूमि से बने ब्लॉक पर्वतों का उदाहरण हैं।
- ये जैव विविधता हॉटस्पॉट हैं, जो जैविक रूप से समृद्ध लेकिन संकटग्रस्त क्षेत्र हैं और यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त हैं।
- यहाँ अत्यधिक उच्च स्तर की स्थानिकता पाई जाती है, और कम से कम 325 वैश्विक स्तर पर संकटग्रस्त प्रजातियों का आश्रय है, जिनमें वनस्पति, स्तनधारी, पक्षी, उभयचर, सरीसृप और मछलियाँ शामिल हैं।

#### क्या आप जानते हैं?

- कस्तूरीरंगन समिति को पश्चिमी घाट में सतत और न्यायसंगत विकास तथा पारिस्थितिकी संरक्षण के लिए समग्र दृष्टिकोण प्रस्तुत करने का दायित्व सौंपा गया था।
- इस समिति ने पश्चिमी घाट के कुल क्षेत्रफल के 37% हिस्से को पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र (ESA) घोषित करने का प्रस्ताव रखा था।

Source : TH

## पूर्वोत्तर भारत में भारी वर्षा

### संदर्भ में

- भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने असम और मेघालय के लिए भारी वर्षा को लेकर रेड अलर्ट जारी किया है।

### उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में अधिक वर्षा के कारण

- दक्षिण-पश्चिम मानसूनी पवनों का प्रभाव:
  - ▲ जून से सितंबर तक चलने वाला दक्षिण-पश्चिम मानसून भारत में वर्षा का मुख्य स्रोत है।
  - ▲ जब आर्द्रता युक्त ये पवनें बंगाल की खाड़ी से आती हैं, तो वे सीधे उत्तर-पूर्वी पहाड़ियों और घाटियों से टकराती हैं।
- ओरोग्राफिक वर्षा (स्थलाकृतिक प्रभाव):
  - ▲ पूर्वी हिमालय, जिसमें मेघालय, नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश और अन्य पर्वतीय क्षेत्र शामिल हैं, बाधा के रूप में कार्य करते हैं।

- ▲ जब मानसूनी पवनें इन पहाड़ियों पर गमन करती हैं, तो वायु ठंडी होती है और संघनित होकर भारी वर्षा का कारण बनती है।

### बंगाल की खाड़ी की निकटता:

- ▲ यह क्षेत्र बंगाल की खाड़ी के बहुत करीब स्थित है, जो नमी का एक प्रमुख स्रोत है।

Source: IE

## अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता संगठन(IOMed)

### समाचार में

- चीन ने नेपाल से अपनी नई अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता संगठन में शामिल होने का अनुरोध किया है।

### अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता संगठन के बारे में

- यह चीन के नेतृत्व में एक वैश्विक पहल है, जिसे 30 मई 2025 को हांगकांग में औपचारिक रूप से लॉन्च किया गया।
- इसे एक वैकल्पिक विवाद समाधान मंच के रूप में स्थापित किया गया है, जिसका उद्देश्य मध्यस्थता के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों को सुलझाना है, न कि मध्यस्थता (arbitration) या मुकदमेबाजी (litigation) द्वारा।
- इस संगठन के प्रारंभिक चरण में 33 संस्थापक सदस्य देशों की भागीदारी देखी गई, जिनमें से कई अफ्रीका, लैटिन अमेरिका, दक्षिण-पूर्व एशिया और मध्य एशिया के विकासशील देश हैं, जहां चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI) पहले से ही स्थापित है।
- यह सम्मेलन मध्यस्थता को प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों के आधार पर बढ़ावा देता है:
  - ▲ संप्रभु समानता
  - ▲ आंतरिक मामलों में गैर-हस्तक्षेप
  - ▲ विवादों का शांतिपूर्ण समाधान

### चीन इसे क्यों बढ़ावा दे रहा है?

- पश्चिमी-नेतृत्व वाले संस्थानों को कमजोर करना:
  - ▲ जैसे अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (International Court of Justice) या स्थायी मध्यस्थता

न्यायालय (Permanent Court of Arbitration), जिन्हें चीन अमेरिका-यूरोपीय प्रभाव के विस्तार के रूप में देखता है।

- चीन की “एशियाई शैली की कूटनीति” को बढ़ावा देना:
  - ▲ जिसमें सहमति, अनौपचारिकता और सम्मानजनक वार्ता पर जोर दिया जाता है।
- वैश्विक सुरक्षा पहल (Global Security Initiative - GSI) और वैश्विक सभ्यता पहल (Global Civilization Initiative - GCI) को आगे बढ़ाना:
  - ▲ ये चीन के कूटनीतिक ब्रांडिंग अभियानों का हिस्सा हैं, जो “बहुपोलता” और “सभ्यतागत सामंजस्य” को उदारवादी अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था के विकल्प के रूप में प्रस्तुत करते हैं।

Source: ET

## एशियाई विकास बैंक (ADB)

### समाचार में

- एशियाई विकास बैंक (ADB) ने भारत के शहरी विकास और मेट्रो रेल नेटवर्क के विस्तार का समर्थन करने के लिए \$10 बिलियन की वित्तीय सहायता देने का वचन दिया है।

### एशियाई विकास बैंक (ADB) के बारे में

- मिशन: ADB एशिया और प्रशांत क्षेत्र में समावेशी, लचीला और सतत् विकास का समर्थन करता है।
- सदस्यता:
  - ▲ 1966 में 31 सदस्य देशों के साथ स्थापित, यह अब 69 सदस्य देशों तक विस्तारित हो चुका है।
  - ▲ इनमें से 50 सदस्य एशिया और प्रशांत क्षेत्र से हैं, जबकि 19 सदस्य अन्य क्षेत्रों से हैं।
- मुख्यालय: मनीला, फिलीपींस।
- सबसे बड़े शेयरधारक (31 दिसंबर 2023 तक):
  - ▲ जापान और अमेरिका (प्रत्येक 15.6%)
  - ▲ चीन (6.4%)
  - ▲ भारत (6.3%)

### ▲ ऑस्ट्रेलिया (5.8%)

Source: TH

## SHOX जीन

### समाचार में

- एक हालिया अध्ययन ने पुरुषों और महिलाओं के बीच सामान्य 5-इंच की ऊँचाई के अंतर को SHOX जीन से जोड़ा है।

### SHOX जीन

- यह X और Y दोनों गुणसूत्रों के स्यूडोऑटोसोमल क्षेत्र में पाया जाता है, अर्थात् यह दोनों में उपस्थित होता है और केवल किसी एक सेक्स गुणसूत्र तक सीमित नहीं होता।
- यह एक ट्रांसक्रिप्शन फैक्टर का उत्पादन करता है जो अन्य जीनों को नियंत्रित करता है और कंकाल विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, विशेष रूप से बाहों और पैरों की हड्डियों की वृद्धि में।
- यह होमोबॉक्स जीन कुल का भाग है, जो शरीर की संरचनाओं के प्रारंभिक भ्रूण चरणों में गठन का निर्देश देता है।

### नवीनतम अध्ययन

- SHOX जीन X और Y दोनों गुणसूत्रों पर पाया जाता है, लेकिन इसकी अभिव्यक्ति भिन्न होती है।
- महिलाओं के पास दो X गुणसूत्र होते हैं, लेकिन उनमें से एक अधिकांशतः निष्क्रिय होता है, जिससे उनकी SHOX जीन की प्रभावी खुराक कम हो जाती है।
- पुरुषों के पास एक सक्रिय X गुणसूत्र और एक Y गुणसूत्र होता है, जिसमें भी SHOX मौजूद होता है, जिससे उन्हें थोड़ा अधिक जीन खुराक मिलती है और वे औसतन अधिक लंबे होते हैं।
- शोधकर्ताओं ने पाया कि अतिरिक्त Y गुणसूत्र होने से ऊँचाई अधिक बढ़ती है, जबकि अतिरिक्त X गुणसूत्र का प्रभाव कम होता है।

- ▲ यह SHOX जीन से जुड़ा अंतर पुरुषों और महिलाओं के बीच ऊँचाई के अंतर का लगभग 25% समझाने में सहायता करता है, जबकि बाकी अंतर हार्मोनल कारकों से प्रभावित होता है।

Source :IE

## अंडमान एवं निकोबार कमान

### संदर्भ में

- लेफ्टिनेंट जनरल दिनेश सिंह राणा ने अंडमान और निकोबार कमांड (CINCAN) के 18वें कमांडर-इन-चीफ के रूप में पदभार संभाला।

### परिचय

- अंडमान और निकोबार कमांड (ANC) भारत की प्रथम एकीकृत थिएटर कमांड है, जिसका मुख्यालय पोर्ट ब्लेयर में स्थित है और इसकी स्थापना 2001 में हुई थी।
- यह भारतीय सेना, नौसेना, वायु सेना और तटरक्षक बल को समन्वित करता है, ताकि भारतीय महासागर क्षेत्र में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राष्ट्रीय हितों की रक्षा की जा सके।
- इसे कमांडर-इन-चीफ अंडमान और निकोबार कमांड (CINCAN) द्वारा नेतृत्व किया जाता है।
  - ▲ यह पद तीनों सैन्य सेवाओं (सेना, नौसेना, वायु सेना) के बीच घूमने वाला पद होता है।
  - ▲ सामान्यतः यह पद लेफ्टिनेंट जनरल, वाइस एडमिरल या एयर मार्शल द्वारा धारण किया जाता है।

Source: PIB

## यूनावफोर

### संदर्भ में

- भारतीय नौसेना और यूरोपीय संघ नौसेना बल (EUNAVFOR) संयुक्त अभ्यास करने की योजना बना रहे हैं।

### अभ्यास में भागीदारी

- इस अभ्यास में स्पेनिश नौसैनिक जहाज ESPS रीना सोफिया और इटालियन नौसैनिक जहाज ITS

एंटीनियो मार्सेग्लिया (EUNAVFOR से) तथा भारतीय नौसेना के जहाज और विमान भाग लेंगे।

### सहयोग का महत्त्व

- यह अभ्यास वैध व्यापार की सुरक्षा एवं गैर-पारंपरिक खतरों जैसे समुद्री डकैती, तस्करी, तथा अवैध, अपंजीकृत, और अनियमित (IUU) मछली पकड़ने को रोकने के प्रति साझा रुचि को दर्शाता है।

### क्या आप जानते हैं?

- भारतीय नौसेना और यूरोपीय संघ नौसेना बल (EUNAVFOR) के बीच पहला संयुक्त अभ्यास 2021 में अदन की खाड़ी में आयोजित किया गया था।
- EUNAVFOR ऑपरेशन ATALANTA यूरोपीय संघ का महत्वपूर्ण नौसैनिक अभियान है, जिसे दिसंबर 2008 में लॉन्च किया गया था।
  - ▲ इसका प्रमुख संचालन क्षेत्र पश्चिमी हिंद महासागर और लाल सागर है।

Source: PIB

## फाइबर ऑप्टिक ड्रोन

### समाचार में

- रूस ने वसंत 2024 से यूक्रेन में फाइबर ऑप्टिक फ़र्स्ट-पर्सन व्यू (FPV) ड्रोन तैनात किए हैं।

### फाइबर ऑप्टिक ड्रोन

- ये सामान्य UAVs के समान होते हैं, लेकिन नेविगेशन के लिए रेडियो तरंगों की बजाय अल्ट्रा-थिन ग्लास केबल्स का उपयोग करते हैं।
- इससे ये इलेक्ट्रॉनिक इंटरसेप्शन या जैमिंग के प्रति प्रतिरोधी हो जाते हैं, क्योंकि सिग्नल केबल के माध्यम से यात्रा करता है, जिससे सुरक्षित और उच्च-गुणवत्ता वाली वीडियो ट्रांसमिशन सुनिश्चित होती है।
- इनकी सीमा 15 से 30 किलोमीटर होती है, जो उनके उपकरणों की परिष्कृति पर निर्भर करती है।
- ये लंबी बैटरी लाइफ, उच्च सटीकता, और जटिल वातावरण जैसे कि जंगल, शहर, या इमारतों के भीतर विश्वसनीय संचालन प्रदान करते हैं।

Source :FP